बुधवार
21 मई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 109
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

फर्जी दस्तावेज से बना अधिकारी

विधानसभा में फर्जी नियुक्तियों का मामला

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा और सचिवालय में बैकडोर भर्तियों के बाद अब फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी पाने के एक मामले का खुलासा बेरोजगार संघ के अध्यक्ष द्वारा किए जाने के बाद हड़कम्प मचा हुआ है। विधानसभा के सामने बीते कल किए गए प्रदर्शन के बाद स्पीकर ऋितु खंडूरी द्वारा अब इस मामले की जांच कराने की बात कही जा रही है।

उल्लेखनीय है कि बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल द्वारा विधानसभा अध्यक्ष और सचिव को एक लिखित शिकायती पत्र में एक सप्ताह पूर्व डीडीओ पद पर तैनात एक अधिकारी के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों को फर्जी बताते हुए उनकी नियुक्ति को चुनौती दी गई।

पत्र में खुलासा किया गया था कि इस अधिकारी ने अपने जो हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के शैक्षिक प्रमाण पत्र मथुरा वृंदावन के गुरुकुल से दर्शाए गए हैं उस गुरुकुल द्वारा कोई प्राइवेट परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। उनका कहना है कि इस आधार पर एक शिक्षक को पहले भी नौकरी से निकाला जा चुका है। उनका कहना है कि उनकी ग्रेजुएशन के सर्टिफिकेट भी जिस संपूर्णानंद संस्कृत महाविद्यालय का है वह भी फर्जी है।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष ने किया बड़ा खुलासा, स्पीकर ने जांच नहीं कराई तो धरने पर बैठेंगे

संघ के अध्यक्ष का कहना है कि 66 सौ के ग्रेड पे में नौकरी करने वाले अधिकारी अब तक करोड़ से ऊपर वेतन सरकार से ले चुके हैं उनकी नियुक्ति कैसे हुई किसने कराई इसकी भी जांच होनी चाहिए।

उनका साफ कहना है कि बैकडोर भर्तियों को लेकर कार्रवाई करने वाली स्पीकर खंडूरी अगर इस मामले में कार्यवाही नहीं करेगी तो वह विधानसभा पर अनिश्चितकालीन धरना देने पर मजबूर होंगे। यही नहीं उन्होंने कहा है कि राज्य में नौकरियों में हुए फर्जीवाड़े का कोई और छोर नहीं है आने वाले दिनों में कुछ और बड़े खुलासे करने वाले हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

हमने आईना दिखाया, तो बुरा मान गये

इसमें कोई संदेह नही है कि अब हमारा सिस्टम कोई सवाल सुनना नहीं चाहता है। उत्तराखण्ड के चमोली जिले के एक स्कूल में एक शिक्षक ललित मोहन सती ने शिक्षा विभाग और शिक्षकों की समस्याओं का सच बताना अगर अनुशासनहीनता मान लिया जाता है और अपरनिदेशक गढ़वाल उन्हे नोटिस जारी कर जवाब मांगते है तो यह घटनाक्रम यह बताने के लिए काफी है कि सिस्टम से कोई सवाल नहीं किया जा सकता और न ही उसे अपनी समस्या कोई कर्मचारी या नागरिक बता सकता है। अगर वह पत्राचार के जरिए संबन्धित विभाग या अधिकारी अथवा किसी मंत्री से अपनी समस्या का समाधान चाहेगा तो उसको कोई जवाब नहीं मिलेगा और उसको अपनी फाइल की तलाश भी मुश्किल हो जायेगी और अगर सार्वजनिक मंच से अपनी बात कह दी तो वह अनुशासन हीनता मान ली जायेगी। ललित मोहन सती का दोष यही था कि उन्होने शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के सामने सार्वजनिक मंच से अपनी विभागीय समस्याओं का पुलिंदा उनके सामने रख दिया गया। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। यहां शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने फिर भी संयम बरतते हुए ललित मोहन को अपनी बात कहने दे को कहा गया क्योंकि उन्हे कुछ अधिकारी रोकने का प्रयास कर रहे थे। अगर उनकी जगह त्रिवेन्द्र सिंह रावत होते तो उन्होने तो इतना सब होने पर ललित मोहन को गिरफ्तार करने का आदेश दे दिये होते राज्य के लोग अब तक उस घटना को नहीं भूले होगें जब एक शिक्षिका अपने स्थानान्तरण की समस्या को लेकर तत्कालीन सीएम त्रिवेन्द्र के जनता दरबार में पहुंची थी। शिक्षिका की पूरी बात सुनने औ समझने से पहले ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत इस कदर गुस्से में आ गये कि उन्होने शिक्षिका का न सिर्फ अपमानजनक शब्द बोलने में कोई हिचक की बल्कि सुरक्षाकर्मियों को उन्हे बाहर निकालने व गिरफ्तार करने तक के आदेश दे दिये गये। उनके इस व्यवहार के लिए उन्हे भले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा हो लेकिन इससे एक बात तो साफ है कि सिस्टम कोई सवाल सुनना नहीं चाहता है और अगर कोई उसे आईना दिखाने की कोशिश भी करेगा तो उसके ही खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। अब थोड़ा राज्य की शिक्षा व्यवस्था के वास्तविक हाल की भी बात करना जरूरी है। अभी बीते सत्र के दौरान सरकार ने खुद यह बात स्वीकार की थी कि राज्य में 90 फीसदी माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य नहीं है और वह बिना प्रधानाचार्य के ही चल रहे हैं। राज्य में कुल 1385 पदों के सापेक्ष सिर्फ 277 पद ही भरे हुए हैं। 1108 पद खाली पड़े हैं वहीं प्रधानाध्यापक के 910 पदों में से सिर्फ 109 पद ही भरे हुए हैं। 801 पद खाली हैं। राज्य की 1740 स्कूल ऐसे हैं जो सिर्फ एक अध्यापक के भरोसे ही चल रहे हैं गुरु जी आ गए तो स्कूल खुलेगा और नहीं आए तो छुट्टी। यही नहीं 146 स्कूल ऐसे भी हैं जहां सिर्फ एक ही छात्र पढ़ता है जबकि स्कूल में 4 से 6 तक स्टाफ है। 2021 में जीरो छात्र संख्या होने के कारण स्कूलों पर ताले डाल दिए गए थे शिक्षा विभाग में राज्य बनने के बाद हजारों की संख्या में अर्जी फर्जी दस्तावेजों पर शिक्षकों की नियुक्तियों से लेकर राज्य के शिक्षको के प्रमोशन वेतन भत्तों से लेकर अन्य तमाम तरह की समस्याएं हैं। जिन्हें लेकर शिक्षकों में भारी आक्रोश है। सवाल यह है कि राज्य गठन की 25 साल बाद भी अगर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की ऐसी दुर्दशा है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है सत्ता में बैठे लोग 25 साल में भी इस सिस्टम को क्यों नहीं सुधार सके? क्या सरकार से यह सवाल करना अनुशासनहीनता है। एक सवाल यह भी है कि क्या शिक्षा मंत्री ललित मोहन सती के सवालों का जवाब देंगे। सही मायने में वह किसी सजा नहीं पुरस्कार के हकदार हैं जिन्होंने मंत्री के सामने आईना रखने का साहस किया अब अगर मंत्री या सिस्टम को बुरा लगता है तो लगे।

स्व. राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता थेः प्रीतम

संवाददाता

देहरादून। पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि स्व. राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न देशों की श्रेणी में खडा किया था।

आज यहां भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने तहसील स्थित राजीव गांधी काम्प्लेक्स में स्थापित स्व. राजीव की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने स्व. राजीव गांधी को भारत में सूचना क्रांति का जनक बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए देश की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। स्व. राजीव गांधी ने संविधान में संशोधन कर पंचायतों को अधिकार सम्पन्न बनाया तथा युवाओं को मतदान का अधिकार देकर देश की मुख्य धारा से जोड़ने तथा भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने की पहल की थी। स्व. राजीव गांधी ने आई.टी. के जिस पौधे को रोपकर भारत को आई.टी. गुरु बनाने का सपना देखा था आज वह बट वृक्ष के रूप में हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सदेव ही पंचायतों की मजबूती व उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाये जाने पर जोर रहा है। पंचायतों की इसी मजबूती के लिए स्व. राजीव गाधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में कांग्रेस द्वारा संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायतों को और अधिक प्रभुतासम्पन्न बनाने का कार्य किया गया। उन्होंने स्व. राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान तक दे दिया था। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी में ले जाने का जो सपना देखा था वह आज साकार हो गया है। स्व. राजीव को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उन्होंने कहा कि राजीव ने न केवल सूचना के क्षेत्र में नई क्रांति का संचार किया बल्कि युवाओं को मताधिकार व पंचायतों की स्वायत्तता तथा मजबूती के लिए जो कार्य किया वह मील का पत्थर साबित हुआ है। भारत को आर्थिक महाशक्ति व सूचना क्रांति में अग्रणी देश बनाने की बुनियाद भी राजीव गांधी जी ने डाली थी उन्हीं के प्रयासों के कारण आज विश्व के देश भारत को महाशक्ति बनते देख रहे हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि सूचना तकनीक के क्षेत्र में भारत वर्ष की गिनती आज दुनिया के अग्रणी देशों में की जाती है जिसका श्रेय स्व. राजीव गांधी को है। स्व. राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु के युवाओं को मतदान का अधिकार देकर देश की मुख्य धारा से जोड़ने तथा भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने की पहल की थी। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, रीता पुष्पवाण, पूर्व पार्षद नीनू सहगल, सोम वाल्मीकि, रमेश मंगू, अर्जुन सोनकर, सुभाष धस्माना,मन मोहन शर्मा, अशोक कुमार, वीरेंद्र चौहान, गोपाल शर्मा आदि शामिल थे।

विक्रम पलटने से महिला हुई घायल

संवाददाता

देहरादून। विक्रम पलटने से महिला के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटद्वार निवासी हिमांश ध्यानी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आईडीपीएल से विक्रम में बैठी थी। विक्रम ओवर लोड होने के कारण थोडी दूरी पर ही जाकर पलट गया जिससे उसकी मां व अन्य सवारियों को चोटें आयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला दरोगा से दुष्कर्म के आरोपी सिपाही की जमानत मंजूर

संवाददाता

देहरादून। महिला दरोगा से दुष्कर्म के आरोपी सिपाही की न्यायालय में जमानत मंजूर कर दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 11 मार्च 2025 को सीआईडी में तैनात महिला दरोगा ने पटेलनगर कोतवाली में सिपाही असलम खान के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर 19 मार्च को असलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता नीतिन नारंग ने असलम खान का जमानत प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि महिला दरोगा असलम के साथ जिम जाती थी तथा दोनों कई स्थानों पर एक साथ गये तथा दोनों ने सहमति से सम्बन्ध बनाये थे तथा अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एआईआर 2024 एससी 12191 प्रशान्त बनाम राज्य एवं मुरलीधर ध्रुवरन बनाम राज्य में फैसला दिया है कि आपसी सहमति से बने सम्बन्ध को रेप नहीं माना जा सकता है। बचाव पक्ष की दलील सुनने के बाद न्यायालय ने असलम का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार कर उसको 40-40 हजार की जमानत पर रिहा करने के आदेश दिये।

एसएसपी ने थाना थत्युड़ का किया गया भ्रमण, विवेचनाओं की समीक्षा की

संवाददाता

टिहरी। एसएसपी आयुष अग्रवाल द्वारा थाना थत्युड का भ्रमण कर लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की।

आज यहां एसएसपी टिहरी आयुष अग्रवाल द्वारा थाना थत्युड़ का भ्रमण किया गया। एसएसपी द्वारा थाने पर लंबित विवेचनाओं एवं जांच प्रार्थनापत्रों की समीक्षा की गई,और उन्हें शीघ्र निस्तारण करने के दिशा निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा कार्मिकों की समस्याओं को सुना गया और उनका यथा संभव समाधान करने का आश्वासन दिया गया। थाना प्रभारी थथूड को चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों की हर संभव मदद के लिए बताया गया और अन्य विभागों से तालमेल रखने को बताया गया।

पुलिस ने स्कूली बच्चों को बाल विवाह के प्रति किया सजग

संवाददाता

उत्तरकाशी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेशों के क्रम में आमजन, छात्र/छात्राओं, ग्रामीणों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरुक किया गया।

आज यहां राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेशों के क्रम में आमजन, छात्र/छात्राओं, ग्रामीणों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरुक करने के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में चलाये जा रहे बाल-विवाह मुक्त उत्तराखण्ड अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक मनेरी मनोज असवाल के नेतृत्व में कोतवाली मनेरी पुलिस टीम द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज गंगोरी में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र/छात्राओं को बाल-विवाह के प्रति जागरुक करते हुये बताया गया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा एक गम्भीर बुराई के साथ-साथ हमारी बेटियों के भविष्य, उनके सपनों और शिक्षा के अधिकार पर सीधा प्रहार है, यह प्रथा उनके बचपन को छीन लेती है और उन्हें अज्ञानता, असमानता व गरीबी के चक्रव्यूह में धकेल देती है। हमें इस ओर ध्यान न देते हुये अपने पढाई अथवा अपने भविष्य पर फोकस करना है और अपने परिजनों को भी बाल-विवाह के प्रति जागरुक करना है। बाल विवाह करना या कराना बाल विवाह निषेध अधनियम-2006 के तहत दण्डनीय अपराध है, इसमें किसी भी रुप में शामिल होने पर या सेवाएं देने पर सजा या जुर्माने का प्रावधान है। यदि आपको भी कहीं कोई बाल विवाह होता दिखता है या पता चलता है तो उसकी सूचना तुरन्त 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन अथवा 112 पर पुलिस को दें। इसके साथ ही छात्र/छात्राओं को यातायात नियम, साइबर सुरक्षा की विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया।

एक्शन, रोमांस और थ्रिलर से भरपूर है विजय सेतुपति की फिल्म ऐस

विजय सेतुपति की आगामी तमिल एक्शन फिल्म ऐस का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। फिल्म का निर्देशन अरुमुगाकुमार ने किया है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया है, जिससे विजय के फैंस बेहद खुश और उत्साहित हो गए हैं।

ऐस के ट्रेलर में एक्शन, रोमांस, थ्रिलर और ड्रामा से भरपूर देखने को मिला। ऐस का ट्रेलर विजय के किरदार के मलेशिया में उतरने से शुरू होता है, जहां वह अपने अतीत के सभी निशान मिटा देता है। अब वह बोल्ड कन्नन नाम से जाना जाता है। जल्द ही, वह योगी बाबू के साथ घुलमिल जाता है और रुक्मिणी वसंत से मिलता है। इसके बाद कन्नन एक गुप्त मिशन में शामिल दिखता है। जैसे-जैसे ट्रेलर खत्म होने के करीब आता है, कन्नन को हाथ से बनाया गया एक स्केच पकड़े हुए दिखाया जाता है। योगी बाबू मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि यह शिवकार्तिकेयन जैसा दिखता है।

विजय सेतुपति की फिल्म ऐस के ट्रेलर के बाद अब प्रशंसक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज के साथ कैप्शन में लिखा, द अल्टीमेट शोडाउन आरामबम ऐस का हाई-ऑक्टेन क्रेजी ट्रेलर अब आउट हो गया है। यह फिल्म 23 मई को रिलीज होगी।

ऐस में विजय सेतुपति के अलावा योगी बाबू, रुक्मिणी वसंत, दिव्या पिल्लई और बबलू पृथ्वीराज, बी एस अविनाश, नागुलन, जहरनारिस, मुथु कुमार, राज कुमार, डेनेस कुमार, कार्तिक जय ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का निर्माण और निर्देशन 7सीएस एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले अरुमुगाकुमार ने किया है। फिल्म का संगीत जस्टिन प्रभाकरन ने दिया है।

डर के साथ हंसाने आ रहे गोलमाल स्टार्स

श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर गोलगोल के बाद फिर से अपने फैंस को हंसाने के लिए तैयार हैं लेकिन इस बार डर के तड़के के साथ। उनकी अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी कपकपी में दोनों को डर के सस्पेंस के साथ हंसी का तड़का लगाते हुए देखा जाएगा। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है जिसे सबसे पहले प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फुले के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया है। 2023 की मलयालम हॉरर-कॉमेडी रोमंचम की रीमेक बताई जा रही इस फिल्म का निर्देशन दिवंगत संगीत सिवन ने किया है।

कपकपी का टीजर दर्शकों को एक मजेदार और अजीब दुनिया में ले जाता है, जहां दोस्तों का एक ग्रुप एक ओइजा बोर्ड के साथ खिलवाड़ करता है और इसी के ताने बाने में लिखी कॉमेडी आपके लिए हंसी के दरवाजे भी खोलती है। हंसी और सस्पेंस के साथ टीजर डर की झलक भी देता है। जो इसे पूरी तरह एंटरटेनिंग बनाता है।

तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े की जोड़ी गोलमाल में पहले ही धमाल मचा चुकी है और अब कपकपी में इनके बीच की शानदार केमिस्ट्री ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। सालों बाद फिर से यह जोड़ी अपनी बेहतरीन टाइमिंग और मजेदार बातचीत के साथ अपनी खास कॉमिक टाइमिंग स्टाइल से दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। उन्हें एक भूतिया घर को हंसी के ठहाकों में बदलते देखना फैंस के लिए पुरानी यादें ताजा करने वाला अनुभव है।

श्रेयस ने इसका टीजर रिलीज करते हुए लिखा, यह आपके लिए है संगीत जी, हमें आपकी याद आती है। इसकी शुरुआत एक खेल से हुई थीज् अब यह उनके साथ खेल रहा है। कपकपी - एक हॉरर कॉमेडी जो आपकी हंसी उड़ा देगी। टीजर अभी आया है! देखने की हिम्मत है? कपकपी 23 मई को सिर्फ सिनेमाघरों में।

ब्रावो एंटरटेनमेंट के तहत जयेश पटेल और उमेश कुमार बंसल द्वारा निर्मित और जी स्टूडियो की प्रस्तुती कपकपी में सोनिया राठी, सिद्धि इदनानी, अभिषेक कुमार, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी और दिनकर शर्मा जैसे कलाकार हैं। इसे सौरभ आनंद और कुमार प्रियदर्शी ने लिखा है। इसे संगीत सिवन ने निर्देशित किया है जिन्हें क्या कूल हैं हम और अपना सपना मनी मनी जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। कपकपी 23 मई, 2025 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

एसडीसी फाउंडेशन और रैम्बोल ने 'प्रोजेक्ट पहल' लॉन्च किया

संवाददाता

देहरादून। युवाओं और वंचित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए, देहरादून स्थित एसडीसी फाउंडेशन ने रैम्बोल के साथ मिलकर 'प्रोजेक्ट पहल' लॉन्च किया है।

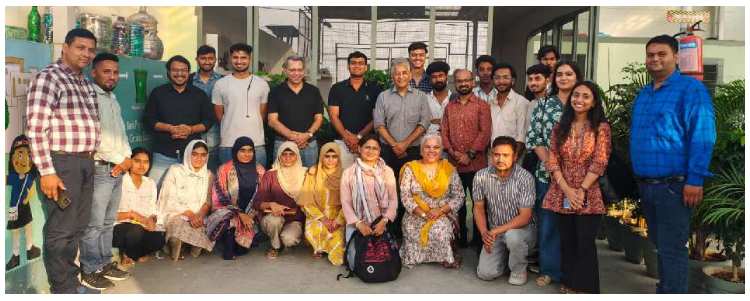

आज यहां युवाओं और वंचित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए, देहरादून स्थित एसडीसी फाउंडेशन ने रैम्बोल के साथ मिलकर 'प्रोजेक्ट पहल' लॉन्च किया है। यह नौ महीने की पहल है जो सामाजिक शिक्षा और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। प्रोजेक्ट पहल चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। डिजिटल साक्षरता, उद्यमिता, सामाजिक नेतृत्व और करियर विकास। इसका उद्देश्य युवा प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल से लैस करना, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना और उन्हें आत्मविश्वासी, सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाना है। प्रशिक्षण मॉड्यूल में कहानी सुनाना, नवाचार, करियर विकास के लिए एआई का उपयोग, समस्या-समाधान, नेतृत्व और डिजिटल साक्षरता जैसे आवश्यक क्षेत्र शामिल होंगे। प्रतिभागियों को लिंग आधारित हिंसा, जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति भी संवेदनशील बनाया जाएगा, जिससे वे जमीनी स्तर पर समावेशी समाधान तैयार कर सकें। लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्य अतिथि सुधीर साहनी, जो कॉर्पोरेट और सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय नेता हैं, ने कहा उत्तराखंड के युवाओं में अपार क्षमता है। सही कौशल और मार्गदर्शन के साथ, वे समावेशी विकास के चैंपियन बन सकते हैं। प्रोजेक्ट पहल उनके प्रयासों और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में उनका समर्थन करेगा। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में चार दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले विशेष अतिथि अनूप बडोला ने कहा, प्रोजेक्ट पहल केवल कौशल विकास के बारे में नहीं है। यह उन युवाओं में आत्मविश्वास और जिज्ञासा पैदा करने का एक प्रयास है, जो अक्सर अस्तित्व के संघर्ष में व्यस्त रहते हैं। यह उन्हें सीखने, अपने विचारों को व्यक्त करने और नेतृत्व करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। एसडीसी फाउंडेशन के संस्थापक अनूप नौटियाल ने रैम्बोल के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रोजेक्ट पहल फाउंडेशन के लिए एक नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में, इस पहल को और आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे एसडीसी फाउंडेशन उत्तराखंड में युवा विकास में सार्थक योगदान दे सके। कार्यक्रम के दौरान, एसडीसी फाउंडेशन के विशेषज्ञ ऋषभ श्रीवास्तव और गौतम कुमार ने प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किए। इस अवसर पर समुदाय के सदस्य तथा एसडीसी फाउंडेशन से प्रेरणा रतूड़ी, दिनेश सेमवाल, प्यारे लाल और प्रवीण उप्रेती भी मौजूद थे।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने सोंग नदी के पुल के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई।

पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर उसके पास थैले से पुलिस ने 62 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम सपना पत्नी रामकुमार निवासी कृष्णा नगर लेबर कालोनी आईडीपीएल ऋषिकेश बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित माल मुकदमाती को किया नष्ट

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस द्वारा 10 मुकदमों से सम्बन्धित 4 पेटी, 17 बोतल व 220 पव्वे अंग्रेजी शराब तथा 35 लीटर कच्ची शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया। आज यहां श्रीमती सरिता डोबाल पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा जनपद के कोतवाली/थानों पर माल मुकदमाती के निस्तारण हेतु नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु सभी प्रभारियों को निर्देश दिये गये हैं, जिसके क्रम में पुलिस उपाधीक्षक बडकोट देवेन्द्र सिंह नेगी के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मोरी रणवीर सिंह चौहान द्वारा थाना मोरी पर जब्त आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित माल मुकदमाती जिनका न्यायालय से निर्णय हो चुका है के निस्तारण के सम्बन्ध में पत्राचार किया गया, जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट पुरोला द्वारा उक्त माल मुकदमाती के निस्तारण हेतु तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर मालों के निस्तारण के निर्देश दिये गये। तहसीलादार मजिस्ट्रेट मोरी, अभियोजन अधिकारी पुरोला एवं थानाध्यक्ष मोरी के नेतृत्व में गठित कमेटी द्वारा कल फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी कराते हुये 10 मुकदमों से सम्बन्धित 4 पेटी, 17 बोतल व 220 पव्वे अंग्रेजी शराब तथा 35 लीटर कच्ची शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया।

तीन माह से वेतन न मिलने पर शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। एमकेपी पीजी कालेज में तीन माह से वेतन ना मिलने पर शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

आज यहां एम के पी पीजी कालेज में एम के पी शिक्षक संघ पिछले दो माह से मौन प्रदर्शन, सेव एम के पी स्टिकर अभियान, शिक्षक संघ के समर्थन में छात्राओं द्वारा प्रदर्शन, संवाद जैसे कार्यक्रम एम के पी पीजी कालेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर कर रहा है। एम के पी शिक्षक संघ की अध्यक्ष डा. ममता सिंह ने कहा कि शिक्षक अपना कार्य पूर्ण निष्ठा के साथ करता है, एम के पी में संसाधनों की कमी के बावजूद छात्राओं को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती है, विभिन्न विषयों में उच्च स्तरीय शोध शोधार्थी कर रहे हैं, लेकिन हर 3 या 6 महीने बाद वेतन को लेकर परेशान हों ये चिंता की बात है। महा सचिव डा पुनीत सैनी ने कहा कि 3 महीने वेतन का रूकना आर्थिक संकट उत्पन्न करता है। कोषाध्यक्ष डा शालिनी उनियाल, संयुक्त सचिव डा अलका मोहन, उपाध्यक्ष डा नीतू त्रिपाठी ने नियुक्त न होना, स्टाफ का कम होना और फिर वेतन का रूकना मानसिक तनाव का कारण बनता है। एम के पी की समस्त शिक्षिकाएं 19 मई से काली पट्टी बांधकर महाविद्यालय में कार्य कर अपना विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। प्रदर्शन में डा. संगीता खुल्लर, डा. अर्चना शुक्ला, ज्योत्सना शर्मा, डा. पुनीत सैनी, डा. शालिनी उनियाल, डा. ममता सिंह, डा. एल्वी दास, डा. मीनाक्षी शर्मा, डा. अलका मोहन, डा. नीतू त्रिपाठी, डा. आरती सिसौदिया, पूनम सिंह शामिल हुए।

प्रदीप रंगनाथन की पैन इंडिया फिल्म ड्यूड का नया पोस्टर हुआ जारी

प्रदीप रंगनाथन ने ड्रैगन फिल्म में अपने अभिनय से हर किसी को हैरान कर दिया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन किया था। इस सफल फिल्म के बाद अभिनेता अपने नए प्रोजेक्ट की तरफ बढ़ गए हैं। फिल्म के मेकर्स ने प्रदीप की नई फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। फिल्म का नाम ड्यूड बताया जा रहै है। तमिल सिनेमा के उभरते सितारे प्रदीप रंगनाथन अपनी आगामी फिल्म के साथ दीवाली 2०25 पर धमाल मचाने को तैयार हैं। यह फिल्म पैन-इंडिया रिलीज होगी।

प्रदीप ने अपने एक्स अकाउंट पर ड्यूड का दूसरा पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह शर्टलेस, रग्ड लुक में ममिता बैजू के साथ नजर आए। कैप्शन में उन्होंने लिखा, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में ड्यूड दीवाली 2०25 पर धमाका करेगी! पहला पोस्टर, जिसमें प्रदीप चोटिल चेहरे और मंगलसूत्र पकड़े दिखे, ने रोमांस, बदला और ड्रामा से भरी कहानी का हिंट दिया। यह फिल्म युवाओं को आकर्षित करने के लिए तैयार है।

ड्यूड नए निर्देशक कीर्तिस्वरन की पहली फिल्म है, जो पहले सुधा कोंगारा के साथ सूरराई पोटरु और पावा कधाइगल जैसी परियोजनाओं में काम कर चुके हैं। माइथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह उनकी दूसरी तमिल फिल्म है, जिसने हाल ही में अजित कुमार की गुड बैड अग्ली के साथ सफलता हासिल की। साई अभ्यंकर का संगीत, निकेत बोम्मी की सिनेमैटोग्राफी और लता नायडू का प्रोडक्शन डिजाइन फिल्म को भव्य बनाएंगे।

फिल्म में ममिता बैजू, जिन्होंने प्रेमलु से ख्याति पाई, मुख्य अभिनेत्री हैं। उनके साथ आर. सरतकुमार, हृदु हारून, रोहिणी और द्रविड़ सेल्वम जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। ड्यूड की रिलीज दीवाली 2०25 पर सूर्या की अगली फिल्म और ध्रुव विक्रम की बाइसन के साथ टकरा सकती है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर रोमांचक जंग की उम्मीद है।

प्रदीप की हालिया फिल्म ड्रैगन ने 1०० करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। उनकी फैन फॉलोइंग और ड्यूड का ट्रेंडी वाइब इसे दीवाली की बड़ी रिलीज बनाता है। वह विग्नेश शिवन की लव इंश्योरेंस कंपनी में भी नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स ने ड्यूड के डिजिटल राइट्स हासिल किए हैं, जो रिलीज के बाद स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।

क्रिमिनल जस्टिस 4 का टीजर जारी, वकील माधव मिश्रा बन लौट रहे पंकज त्रिपाठी

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपने शानदार अभिनय से हर बार दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। बड़े पर्दे के साथ-साथ ओटीटी पर भी वह छाए रहते हैं। उनकी कोर्टरूम ड्रामा सीरीज %क्रिमिनल जस्टिस' को फैंस ने खूब पसंद किया है। अब इस हिट सीरीज का चौथा सीजन आने वाला है। निर्माताओं ने %क्रिमिनल जस्टिस 4' का धमाकेदार टीजर रिलीज कर दिया है। साथ ही, इसकी रिलीज डेट पर भी अब मुहर लग गई है।

पंकज त्रिपाठी के फैंस उनकी सुपरहिट सीरीज %क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन की झलक का बेसब्री से इंतजार था। अब उनका यह इंतजार खत्म हो गया है। मेकर्स ने इस सीजन का टीजर रिलीज कर दिया। पंकज त्रिपाठी एक बार फिर अपने मशहूर किरदार माधव मिश्रा के रूप में लौटे हैं। इस टीजर ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। क्रिमिनल जस्टिस 4' का टीजर बेहद दमदार है। यह सुरवीन चावला के सीन से शुरू होता है, जिसमें वह माधव मिश्रा के दरवाजे पर मदद मांगने पहुंचती हैं। वह कहती हैं, मुझे एक वकील की जरूरत है। इसके बाद पंकज त्रिपाठी कहते हैं, यह केस इतना आसान नहीं है, जितना दिखता है, वर्ना मेरे पास नहीं आता। टीजर में मोहम्मद जीशान अय्यूब की भी झलक दिखती है। इस बार माधव मिश्रा को एक लव अफेयर और एक चौंकाने वाली हत्या का रहस्य सुलझाना है। यह टीजर सस्पेंस और ड्रामे से भरा है, जो दर्शकों को बांधे रखता है।

मेकर्स ने टीजर के साथ रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। %क्रिमिनल जस्टिस 4' 22 मई 2०25 से स्ट्रीम होगी। इसे आप जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। टीजर शेयर करते हुए मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, सीधा और सिंपल तो माधव मिश्रा के सिलेबस में है ही नहीं। आपके पसंदीदा वकील साहब कोर्टरूम में वापसी करने जा रहे हैं। हॉटस्टार स्पेशल क्रिमिनल जस्टिस- एक फैमिली मैटर, 22 मई से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

बीमारियां भी लाती है गर्मी का मौसम ...

चिलचिलाती गर्मियां आपके लिए जहां रसीले फल लेकर आती है तो वहीं यह आपके लिए अनेक तरह की बीमारियों का संदेश भी देती है। इन बीमारियों से बचकर रहना ही उचित होता है। अबकी गर्मी भी अपने साथ अनेक तरह की बीमारियां लेकर आई है। इनके प्रति लापरवाही आपको खासा नुक्सान भी पहुंचा सकती है। अतरू ऐसी बीमारियों की पहचान और उनके बचने के उपाय यहां दिए जा रहे हैं-

आइये सबसे पहले हम यह जानते हैं कि गर्मी के मौसम में कौन सी बीमारी सबसे ज्यादा खतरा पैदा करती है। सबसे पहले गर्मी में लू लगना आम बात होती है। चिलचिलाती गर्मी में बिना सावधानी बरते बाहर निकल जाना लू का कारण होता है। इसके अतिरिक्त पानी की कमी या डिहाइड्रेशन, बुखार आना या पेट संबंधी बीमारियां जैसी अनेक समस्याएं होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहने की सलाह दी जाती है। गर्मी में होने वाले इन रोगों का यदि समय रहते उपचार न किया जाए तो इनके परिणाम भयानक भी हो सकते हैं।

गर्मियों में पीलिया होने का खतरा भी होता है। यह रोग गंदे और दूषित पानी या खाने की वजह से होता है। पीलिया में रोगी की आंखे व नाखून पीले पड़ जाते हैं। पेशाब का रंग भी पीला होता है। इस रोग से बचने के लिए अपने खाने-पीने का ध्यान रखें। बाहर के खान-पान से बचें, इन्फेक्शन से दूर रहें और रोग हो जाने पर पानी को उबाल कर ही पीएं, इसके साथ ही हल्का खाना और तेल व मिर्च मसाले से दूर रहना उचित होता है।

गर्मी के मौसम में टायफाइड भी एक आम बीमारी की तरह उभर कर सामने आती है। इस बीमारी में लगातार बुखार रहना, भूख कम लगना, उल्टी होना और खांसी-जुकाम का बने रहना प्रमुख लक्षण होते हैं। इससे बचने के लिए दूषित पानी व खाने की चीजों से बचना चाहिए। कुछ भी खाने पीने से पहले हाथों को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें लेकिन साफ-सफाई का भी ध्यान रखें।

गर्मियों में अक्सर सुनने में आता है कि फलां शख्स को लू लग गई। लू लगने को हीट स्ट्रोक भी कहा जाता है जो कि कई बार तो जानलेवा भी साबित होती है। यह तेज धूप की वजह से होती है। इस बीमारी में उल्टी के साथ चक्कर आना, रक्तचाप का कम हो जाना, बुखार आना प्रमुख लक्षण हैं। इससे बचने के लिए धूप में जितना हो सके कम निकलना चाहिए। अगर धूप में जाना पड़े तो सिर को ढंक कर ही बाहर निकलें। जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा पानी पियें. लस्सी, छाछ या आम का पना समेत प्याज का सेवन व अन्य तरह के उपाय किए जा सकते हैं।

यूं तो चिकनपॉक्स वायरस के संक्रमण से होता है, लेकिन यह भी ज्यादातर गर्मियों में ही उभरता है। इस बीमारी में बुखार आना, एलर्जी, निमोनिया और मस्तिष्क में सूजन जैसी अनेक समस्याएं होती हैं। इस बीमारी में बुखार आता है और शरीर पर दाने उभर आते हैं। गर्मियों में चिकनपॉक्स बड़ी तेजी के साथ फैलती है।

शरीर में पानी की कमी को डिहाइड्रेशन कहा जाता है। गर्मियों में इससे बचने की सबसे ज्यादा जरुरत होती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि गर्मियों में जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों जैसे जूस, लस्सी, छाछ, आमपन्ना या नारियल पानी का सेवन करना चाहिए। इसके लक्षण भी बुखार जैसे होते हैं और यह फूड प्वाइजनिंग गंदे खाने या गंदे पानी से होती है। इससे बुखार, उल्टी, दस्त, चक्कर आना और शरीर में दर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान गर्मियों में रखा जाना चाहिए।

खसरा या मीजल्स, यह एक प्रकार से श्वांस के द्वारा होने वाला रोग है जो कि गर्मियों में काफी तेजी से फैलता है। इस रोग में शरीर पर छोटे-छोटे लाल रंग के दाने होते हैं और इसके साथ ही बुखार, खांसी, नाक बहना और आंखों का लाल होना जैसे लक्षण उभरने लगते हैं। इससे रोगी को खासी परेशानी व तकलीफहोती है। इससे बचने के लिए बच्चो को एमएमआर के टीके लगवाए जा सकते हैं। सफाई का समुचित ध्यान, संक्रमित व्यक्ति से दूरी ही सबसे श्रेष्ठ उपाय होता है। इस प्रकार गर्मियों में होने वाली इन बीमारियों से आपको दोचार न होना पड़े इसलिए पहले से सावधानियां बरतना बेहतर होगा। साफ-सफाई के साथ ही तरल पदार्थों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें, ताकि गर्मी का प्रभाव न होने पाए।

शब्द सामर्थ्य -40

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 39 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

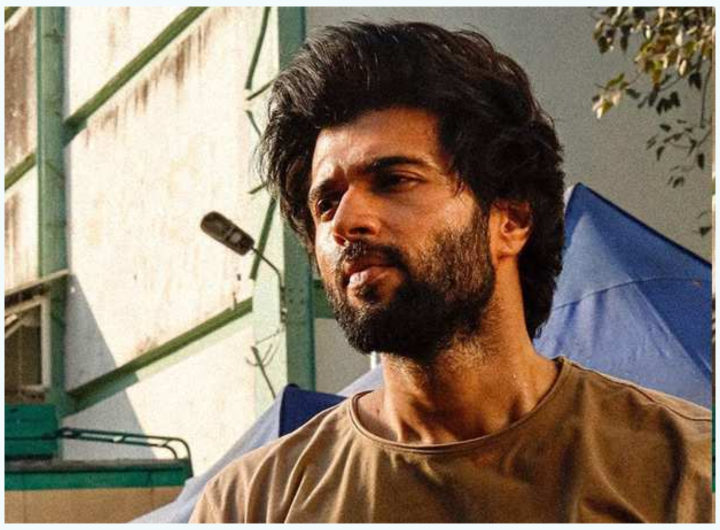

विजय देवरकोंडा के प्रशंसकों को मिला तोहफा, वीडी 14 से पहली झलक आई सामने

अभिनेता विजय देवरकोंडा इस समय अपनी फिल्म किंगडम से चर्चा में हैं, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनेता अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित फिल्म वीडी 14 के निर्माताओं ने उन्हें सबसे बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म मेकर्स ने इस फिल्म का पहला लुक जारी कर अभिनेता को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

वीडी 14 के फिल्म निर्माताओं ने विजय देवरकोंडा अभिनीत इस फिल्म का पहला लुक जारी किया है। माइथ्री मूवी मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर रिलीज किया है, जिसमें विजय देवरकोंडा योग मुद्रा में ध्यान लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं और किसी भगवान की पूजा कर रहे हैं। रिलीज किए गए पोस्टर में अभिनेता का केवल पीछे का भाग दिखाया गया है।

वीडी 14 का फर्स्ट लुक जारी कर फिल्म निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा कि देवताओं ने उसे शक्ति दी और युद्ध ने उसे एक उद्देश्य दिया। इसके साथ ही मेकर्स की टीम ने विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

राहुल सांकृत्यायन द्वारा निर्देशित आगामी पीरियड ड्रामा फिल्म, जिसका संभावित नाम वीडी14 है। यह एक योद्धा की कहानी है, जो 1854 और 1878 के बीच की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। यह फिल्म पांच भाषाओं तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स बैनर तले किया जा रहा है।

अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट में शामिल हुए जैकी श्रॉफ, पहली झलक आई सामने

दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ को पिछली बार वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन में देखा गया था, जिसमें हमेशा की तरह उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह बुरी तरह पिटी।

अब जैकी फिल्म तन्वी द ग्रेट में शामिल हो गए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अनुपम खेर ने संभाली है। इसमें जैकी ब्रिगेडियर जोशी की भूमिका में नजर आएंगे।

तन्वी द ग्रेट से जैकी की पहली झलक भी सामने आ चुकी है।

अनुपम ने जैकी का तन्वी द ग्रेट की टीम में स्वागत किया। उन्होंने लिखा, जैकी श्रॉफ मेरे भाई हैं। हमने न केवल कई फिल्मों में साथ काम किया है, बल्कि हम रिश्तेदार भी हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ मुझे 30 साल से भी ज्यादा समय से राखी बांधती आ रही हैं। जैकी का दिल सोने का है। प्यार उनका दूसरा नाम हो सकता है।

इसके साथ उन्होंने एक किस्सा भी सुनाया।

अनुपम ने आगे लिखा, एक दिन वह मेरे घर अचानक आ गए। तब मैं अपनी फिल्म की कास्टिंग कर रहा था। मैंने कुछ गाने रिकॉर्ड किए थे। मैंने उन्हें सुनाए, जिन्हें सुनने के बाद वह काफी देर तक चुप रहे। फिर उन्होंने मुझे गले लगाया और कहा- मेरे बिना यह फिल्म मत बनाना। आपकी निस्वार्थ दोस्ती और शानदार अभिनय के लिए धन्यवाद श्रॉफ। तन्वी द ग्रेट में बोमन ईरानी भी नजर आएंगे। फिल्म की हीरोइन का नाम शुभांगी है।

मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं: निकिता दत्ता

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों ज्वेल थीफ में अपने काम के लिए तारीफ बटोर रही हैं। इस फिल्म में वह जयदीप अहलावत और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका पालन-पोषण बहुत अनुशासन, तय नियमों और रोजमर्रा की तय दिनचर्या के साथ हुआ था।

निकिता दत्ता ने बताया कि उनका पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ जहां नियम और जिम्मेदारियां सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। इसी परवरिश ने मुझे अनुशासन और मेहनत करना सिखाया। उन्होंने साथ ही खुलासा किया कि वह एक्ट्रेस बनने से पहले यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है। ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो ये बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां बहुत सारे नियम, दिनचर्या और बंदिशें थीं। हर काम नियम के अनुसार होता था। क्रिएटिव फील्ड में करियर चुनना, जहां हर दिन कुछ नया होता है.. मेरे लिए उस जीवनशैली से बिलकुल अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि उस अनुशासित परवरिश ने ही मुझे इस उथल-पुथल भरी इंडस्ट्री में फोकस्ड और मजबूत बनाए रखा है। भले ही फिल्म इंडस्ट्री चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन बचपन का अनुशासन और ठहराव मुझे हार न मानने की ताकत देता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी- द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में नजर आईं। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूर भी थे। ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

भाभी जी घर पर हैं फेम शुभांगी अत्रे का बोल्ड लुक वायरल

भाभी जी घर पर हैं सीरियल से घर-घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक से एक बार फिर सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। अपने बर्थडे के मौके पर शुभांगी ने एक बेहद स्टनिंग फोटोशूट कराया है जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। ब्लैक ड्रेस में रेड रोज़ डिटेलिंग और परफेक्ट मेकअप के साथ एक्ट्रेस का यह अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

इन तस्वीरों के साथ शुभांगी ने कैप्शन लिखा - एक साल और समझदार आत्मप्रेम मुझे जन्मदिन मुबारक हो। उनके इस बोल्ड अंदाज को देखने के बाद फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने उन्हें %स्टनिंग' बताया तो कोई उनकी खूबसूरती पर फिदा हो गया। वहीं टीवी एक्ट्रेस मेघा धाडे ने भी कमेंट करते हुए लिखा, समझदार और सुंदर, जन्मदिन मुबारक हो बेबी। शुभांगी का यह लुक न सिर्फ फैंस बल्कि इंडस्ट्री के दोस्तों को भी काफी पसंद आ रहा है।

एक्ट्रेस का यह बोल्ड अवतार यह साबित करता है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है और आत्मविश्वास ही असली खूबसूरती है। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें देखते ही देखते वायरल हो चुकी हैं और लगातार शेयर की जा रही हैं।

युद्ध में वीर रस के कवियों का योगदान

विवेक रंजन श्रीवास्तव

इतिहास से वर्तमान तक भारतीय साहित्य और संस्कृति में वीर रस का स्थान अद्वितीय है। यह रस युद्ध, शौर्य, और पराक्रम की भावना को जगाने वाला माना जाता है। जब हम फिल्में देखते हैं तो भावना में भी कर कभी रोते कभी हंसते तो कभी क्रोधित होने लगते हैं या डर जाते हैं, अर्थात हमारे मनोभाव रचना के रस से प्रभावित होते ही हैं। प्राचीन काल से ही राजाओं की सेनाओं में वीर रस के कवि और गायक साथ चलते थे, जो योद्धाओं को प्रेरित करते थे और उनके शौर्य को अमर बनाने के लिए गाथाएँ रचते थे। आधुनिक समय में भी हरिओम पवार जैसे कवि इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। आल्हा गायन की परंपरा, और समकालीन रचनाओं के माध्यम से वीर रस का योगदान हमारे इतिहास का हिस्सा है।

ऐतिहासिक संदर्भ देखें तो राजाओं के साथ वीर रस के गायक कवि तथा चारण भाट आदि सेना के हिस्से थे जिनका काम सेना में जोश जगाना था। इतिहास में युद्ध के मैदानों में वीर रस के कवियों की उपस्थिति एक सांस्कृतिक परंपरा रही है। राजपूत शासकों के युग में चारण और भाट योद्धाओं के साथ जाते थे। ये कवि युद्धभूमि में वीरगाथाएँ सुनाकर सैनिकों का मनोबल बढ़ाते थे। उदाहरण के लिए, महाराणा प्रताप के संघर्षों को चारण कवियों ने ऐसी शक्ति दी कि चेतक घोड़ा और भामाशाह का त्याग आज भी लोकगीतों में गूँजते हैं। मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के समय में भीमा, तुकाराम, और रामदास जैसे संत-कवियों ने धार्मिक और वीर रस के भजनों से सेना को प्रेरित किया। शिवाजी की गणपति बप्पा मोरया की उद्घोषणा आज भी महाराष्ट्र में जोश भर देती है। इसी प्रकार, सिखों के दशम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने चंडी दी वार जैसे ग्रंथों में वीर रस को स्थापित किया, जो खालसा सेना के लिए प्रेरणास्रोत बना। गीत और नारे, बुलंद आवाज से सेनाएं मुश्किल कार्य भी एकजुट होकर कर डालती थीं।

आल्हा गायन लोक परंपरा में वीर रस का प्रतीक है।

उत्तर भारत, विशेषकर बुंदेलखंड में, आल्हा गायन वीर रस की एक जीवंत परंपरा है। यह मौखिक महाकाव्य 12वीं शताब्दी के योद्धाओं आल्हा और ऊदल की वीरगाथा कहता है, जिन्होंने राजा परमाल के लिए लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की। यह गायन दशहरे के अवसर पर गाँव-गाँव में होता है, जहाँ गायकों की टोलियाँ नृत्य और संगीत के साथ इन युद्धों का वर्णन करती हैं। आल्हा के पदों में युद्ध के दृश्यों का इतना सजीव चित्रण होता है कि श्रोता रोमांचित हो उठते हैं। उदाहरणार्थ

चढ़ गए अश्व पर, ऊदल सुजान,
लिए त्रिशूल हाथ।
माहिल पर टूट पड़े, जैसे सिंह
नर-नाग पर।

इन पंक्तियों में ऊदल के पराक्रम को शब्दों में उतारा गया है। यह परंपरा न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि सामूहिक स्मृति में वीरता के आदर्शों को भी स्थापित करती है।

हरिओम पवार: वीर रस की आधुनिक अभिव्यक्ति के प्रतीक कवि हैं। आधुनिक युग में वीर रस के कवियों ने अपनी रचनाओं को समकालीन संदर्भ दिए हैं। उनकी कविताएँ न केवल ऐतिहासिक योद्धाओं, बल्कि आज के सैनिकों और सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वालों को समर्पित हैं। उनकी एक कविता में वे लिखते हैं:

वीर वही, जो धर्म की रक्षा में
खड़ा हो,
अन्याय के आगे, तलवार बनकर
लड़ा हो।

हरिओम की रचनाएँ ग्रामीण समारोहों और स्कूलों में सुनाई जाती हैं, जहाँ युवाओं में देशभक्ति और साहस की भावना जागृत करती हैं। वीर रस की सांस्कृतिक धरोहर हमारे साहित्य की बड़ी पूंजी है।

वीर रस के कवियों ने इतिहास को केवल दर्ज ही नहीं किया, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखा। युद्ध के मैदान में इनकी वीरगाथाएँ सैनिकों के लिए प्रेरणा थीं, तो समाज के लिए नैतिक शिक्षा। आल्हा जैसी लोक परंपराएँ और हरिओम पवार जैसे आधुनिक कवि इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। आज भी, जब हम इन गाथाओं को सुनते हैं, तो वीरता के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होती है। यही वीर रस का स्थायी योगदान है।

जल बंटवारे का विवाद

पानी बंटवारे को लेकर हरियाणा-पंजाब में फिर ठन गई है। आप शासित पंजाब अपनी जरूरतों और मौजूदा जल स्तर को लेकर भाजपा शासित हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का विरोध कर रहा है। हरियाणा अपने हिस्से का साढे तीन मिलियन एकड़ फीट पीने का पानी सतलुज-यमुना लिंक नहर को देने की मांग कर रहा है, और पंजाब को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की हिदायत भी दे रहा है जबकि पंजाब लगातार साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी न होने की दुहाई दे रहा है। 214 किमी. लंबी इस नहर की परिकल्पना रावी-ब्यास नदियों के जल को दोनों राज्यों के दरम्यान बांटने के लिए की गई थी जिसमें 122 किमी. पंजाब में और बाकी 92 किमी. हरियाणा में बनाया जाना था।

हरियाणा परियोजना को पूरा कर चुका है, जबकि पंजाब ने 1982 से चालू इस निर्माण को लटका कर रखा है। पंजाब सरकार का कहना है, धान की बुआई के मौसम में उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत है, और यह भी कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी पहले ही ले चुका है। हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है, जबकि पंजाब उसे चार हजार क्यूसेक पानी पीने के लिए मुहैया करा रहा है। जल बंटवारे के विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है।

पंजाब ने हरियाणा पर केंद्र में अपनी सरकार होने के चलते उसे जबरन दबाने के प्रयास के आरोप भी लगाए हैं। नदियों के जल-बंटवारे को लेकर देश भर में अंतरराज्यीय विवादों की स्थिति बनी रहती है। केंद्र और शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद राज्यों के दरम्यान संतुलित बंटवारा संभव नहीं हो सका है। राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर न सिर्फ तनाव बढ़ता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय संकट भी बढ़ता जाता है।

केंद्र का जिम्मा है कि पंजाब सरकार को उक्त नहर के निर्माण के लिए राजी करे और जितनी मदद हो सके देने की व्यवस्था भी करे। विभिन्न राज्यों को नदियों के जल बंटवारे के लिए भिड़ने की बजाय जल संरक्षण, भूजल के सदुपयोग और बरसाती पानी के भंडारण के समुचित सुझाव भी दिए जाएं। पूर्वाग्रहों और व्यवस्थागत विकल्पों के अभाव में उपज पर पड़ने वाली मार तथा पेयजल संकट देश का अहितकारी साबित हो सकता है। केंद्र को न सिर्फ विवाद को तूल पकड़ने से रोकना होगा, बल्कि राजनीतिक मन-मुटाव को हाशिए पर रखते हुए मानसून पूर्व ही विवाद का निस्तारण का भी प्रयास करना होगा।

सू- दोकू क्र.40

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.39 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

तन्वी द ग्रेट में करण टैकर की एंट्री हुई

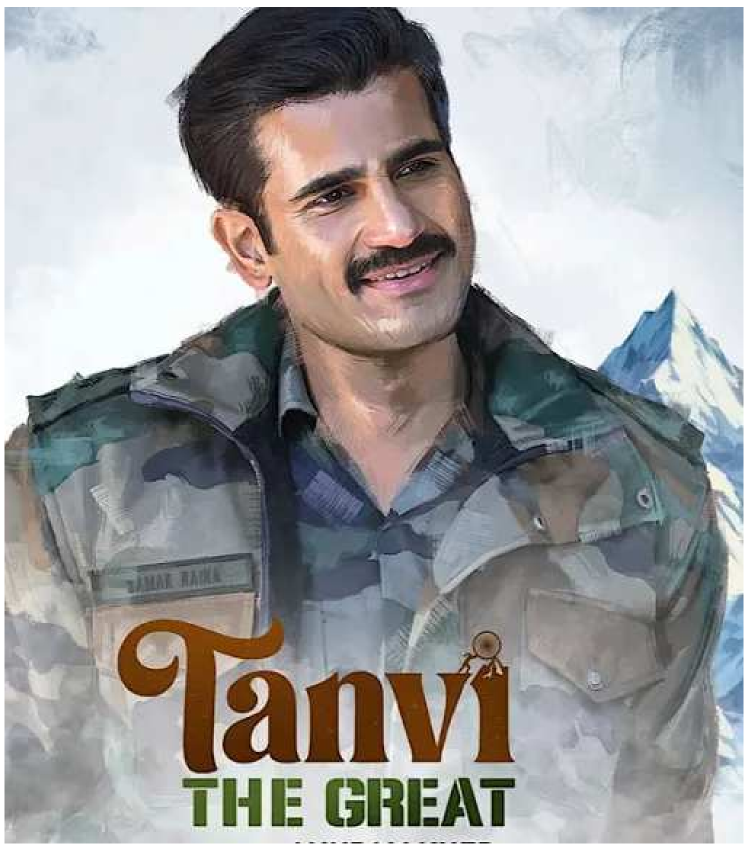

अनुपम खेर द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म तन्वी द ग्रेट में अभिनेता करण टैकर अब भारतीय सेना के अधिकारी कैप्टन समर रैना की भूमिका निभातेनजर आएंगे। इस खास भूमिका की घोषणा खुद खेर ने टैकर के जन्मदिन के अवसर पर की। टैकर के पहले के काम-स्पेशल ऑप्सऔर खाकी: द बिहार चैप्टर-में उनके दमदार सैन्य और पुलिस किरदारों ने पहले ही दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा था।

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर लिखा, जब मैंने नीरज पांडे की स्पेशल ऑप्स देखी, तो करण टैकर की उपस्थिति और अभिनय से बहुत प्रभावितहुआ। खाकी: द बिहार चैप्टर में भी वे उतने ही प्रभावशाली थे। करण में एक खासियत है-वो अपने अभिनय को सहज बनाते हैं, लेकिन साथ हीउसमें एक अनुभवी कलाकार की गंभीरता होती है। टन्वी द ग्रेट में उनका किरदार इन्हीं खूबियों की मांग करता था, और उन्होंने भारतीय सेना की वर्दीको गरिमा और शान के साथ निभाया है।

करण टैकर के इस किरदार का फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आया है, जिसमें वे भारतीय सेना की वर्दी में, पहाड़ों की पृष्ठभूमि के बीच खड़े नज़र आ रहेहैं। फिल्म में टैकर के साथ शुभांगी दत्त, जैकी श्रॉफ, इयान ग्लेन, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी और पल्लवी जोशी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण एनएफडीसी द्वारा किया जा रहा है और इसमें संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरवाणी द्वारा दिया गया है।

तन्वी द ग्रेट सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक भावनात्मक जर्नी है, जिसमें देशभक्ति, बलिदान और मानवीय संवेदनाएं गहराई से जुड़ी हैं। अनुपम खेरके निर्देशन में बनी यह फिल्म एक बार फिर यह साबित करती है कि जब अभिनय में सच्चाई और संवेदना हो, तो वो सीधे दिल तक पहुंचता है-जैसाकि करण टैकर अपने नए किरदार में करने जा रहे हैं।

फिल्म तन्वी द ग्रेट में शुभांगी दत्त, जैकी श्रॉफ, बोमन ईरानी जैसे सितारे नजर आएंगे।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार 4 फरार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया जबकि उनके चार साथी मौके से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई थाना पुलिस ने धूलकोट से सिहनीवाला जाने वाले रास्ते पर एक ई-रिक्शा को रूकने का इशारा किया तो ई-रिक्शा चालक रिक्शा को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। पुलिस के रोकते ही उसमें सवार चार लोग वहां से भाग गये जबकि ई-रिक्शा चालक को पुलिस ने हिरासत में ले उसकी तलाश ली तो उसके कब्जे से 10.33 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलशाद उर्फ सानू पुत्र हनीफ निवासी बडा रामपुर बताया। उसने अपने फरार साथियों के नाम वसीम निवासी मिर्जापुर सहारनपुर, अमजद निवासी कुंजा विकासनगर, बिलाल निवासी विकासनगर व तस्लीम पुत्र असलम निवासी बडा रामपुर बताया। वहीं विकासनगर कोतवाली पुलिस ने भीमावाला के पास से एक को 10.50 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम जीशान पुत्र जमशेद निवासी पहाडी गली विकासनगर बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जिला बदर बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। छह माह से पहले शहर में वापस आने पर पुलिस ने जिला बदर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने शीतला विहार निवासी अनुज पुत्र गोपाल को गुण्डा एक्ट में निरूद्ध कर उसको जिला बदर कर उसको जनपद से बाहर छोड दिया था। लेकिन कुछ दिनों बाद ही अनुज को क्षेत्र में घुमता देख पुलिस ने आदेश की अवहेलना कर छह माह से पूवछ शहर जिले में वापस आने पर उसको गिरफ्तार कर लिया है।

मुम्बई पुलिस का अधिकारी बनकर ठगे 18 लाख 50 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। मुम्बई पुलिस का अधिकारी बनकर 18 लाख 50 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पण्डितवाडी निवासी डॉ. प्रिया कुमारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने स्वंय को मुम्बई पुलिस का अधिकारी बताते हुए उससे कहा कि मुम्बई में हुए एक अपराध में उसके मोबाइल नम्बर व आधार कार्ड प्रयोग किया गया है। जिसके बाद उसने उसको अपराध से उसका नाम हटाने की बात कहकर उससे 18 लाख 50 हजार रूपये ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जमीन के नाम पर ठगे साढे चार लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर साढे चार लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी मोनू कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि डांडा लखौड निवासी फिरोज अली से उसने जमीन खरीदने का सौदा किया था। फिरोज अली के साथ उसका अनुबंध हुआ तथा अनुबंध पत्र तैयार होने के बात उसने फिरोज को चार लाख 56 हजार रूपये दे दिये थे। लेकिन उसके बाद वह रजिस्ट्री करने के लिए आना कानी करने लगा। उसके दबाव बनाने पर वह उसके पैसे भी नहीं लौटा रहा है और ना ही रजिस्ट्री कर रहा है। जिसके बाद उसको ज्ञात हुआ कि फिरोज अली ने उसके साथ धोखाध डी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

समिति ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने देश के युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने देश के युवा प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी डिस्पेंसरी रोड स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि देश को कंप्यूटर की सौगात देने वाले स्वर्गीय राजीव गांधी को सच्चे श्रद्धांजलि यही होगी कि देश विकास की ओर बड़े और आंतकवाद से पूर्णतया मुक्त हो सभी लोग डर के वातावरण से दूर हो सके। श्रद्धांजलि देने वालों में आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, दानिश नूर, प्रदीप कुकरेती, गुलाम मुस्तफा, सुशील विरमानी, विपुल नौटियाल, विनोद असवाल, पारस यादव उपस्थित रहे।

एक देश एक चुनाव से और अधिक सशक्त होगा लोकतंत्रः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मसूरी रोड स्थित एक होटल में "एक देश, एक चुनाव" विषय पर संयुक्त संसदीय समिति के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री पी. पी. चौधरी एवं समिति के सभी सदस्यगणों का स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक देश एक चुनाव' हमारे लोकतंत्र को और अधिक सशक्त, प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि हमारी चुनाव प्रणाली विविधताओं के बावजूद प्रभावी और मजबूत रही है, लेकिन अलग-अलग समय में चुनाव होने से बार-बार आचार संहिता लगती है, इसके चलते राज्यो के सारे काम ठप पड़ जाते हैं। जब भी चुनाव आता है, तो बड़ी संख्या में कार्मिकों को मूल कार्य से हटाकर चुनाव ड्यूटी में लगाना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन सालों में राज्य में विधानसभा, लोकसभा और निकाय चुनावों की आचार संहिता के कारण 175 दिन तक राज्य की प्रशासनिक मशीनरी नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया से वंचित रही। छोटे और सीमित संसाधनों वाले राज्य के लिए ये 175 दिन शासन व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन का पूर्ण व्यय भार राज्य सरकार वहन करती है और लोकसभा निर्वाचन का व्यय भार केंद्र सरकार द्वारा

❑संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री ने किया प्रतिभाग

उठाया जाता है। दोनों चुनाव एक साथ कराए जाएं तो राज्य और केंद्र सरकार पर व्यय भार समान रूप से आधा-आधा हो जाएगा। दोनों चुनाव एक साथ कराने से कुल व्यय में लगभग 30 से 35 प्रतिशत तक की बचत होगी। इसका उपयोग राज्य के स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, जल, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण जैसे अनेक क्षेत्रों में किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में जून से सितंबर का समय चारधाम यात्रा के साथ- साथ, बारिश का भी होता है, ऐसे में चुनावी कार्यक्रम होने से बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जनवरी से मार्च तक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही के समय भी चुनावी प्रक्रिया निर्धारित नहीं की जानी चाहिए। फरवरी-मार्च के माह में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं होने से प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्यों में "एक देश एक चुनाव" महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों में मतदान केंद्रों तक पहुंचना कठिन होता है, जिसके कारण चुनाव की प्रक्रिया में अधिक समय और संसाधन लगते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में मतदाताओं के लिए चुनाव में भाग लेना भी चुनौतीपूर्ण होता है, बार -बार चुनाव होने से लोगों में मतदान के प्रति रुझान कम होता है और मतदान प्रतिशत भी घटता है।

6.23 ग्राम स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

चमोली। पहाड़ों में स्मैक की तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 6.23 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस और एसओजी टीम द्वारा एक सूचना के बाद संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान, कर्णप्रयाग से सिमली मार्ग पर स्थित जखेड़ गांव की यात्री शेड के पास पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ और तलाशी लेने पर उसकी पहचान अमन सैलानी पुत्र वीरेंद्र लाल निवासी गांधीनगर कर्णप्रयाग जिला चमोली के रूप में हुई। आरोपी के पास से 6.23 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस ने नशे की इस खेप के परिवहन में प्रयोग की जा रही एक बाइक भी मौके से जब्त कर ली है। आरोपी अमन सैलानी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

राजीव गांधी ने देश के लिए न्योछावर किए अपने प्राणःगोगी

संवाददाता

देहरादून। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व महानगर अध्यक्ष जसविन्द्र सिंह गोगी ने कहा कि राजीव गांधी ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर किये।

आज कांग्रेस भवन राजपुर रोड पर महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस जनो ने स्व राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता को याद किया और उन्हें नमन किया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष जाविंदर सिंह गोगी ने कहा की आज पूरा देश राजीव को नमन कर रहा है, राजीव की दूरदर्शिता की वजह से नई सोच की वजह से ही देश में संचार क्रांति का जन्म हुआ आज हजारो किलोमीटर दूर होकर भी हम अपनों से जुड़े रहते हैं उसका श्रेय राजीव को जाता है, आज जिन साधनों का प्रयोग कर भाजपा नित दिन नेहरू, इंदिरा, राजीव, के बारे में नफरत फैलाती है उन साधन का सृजन उन्ही की देंन है ये बोलने में उन्हें दुख होता है। उन्होंने कहा की आज अगर युवाओं को 18 साल की उम्र में वोट देने का अधिकार मिला है तो वो राजीव की दें है, पंचायती राज को मजबूत करना, टेलिकॉम और कंप्यूटराइजेशन को बढ़ावा देना, शांति समझौते करवाना, टीकाकरण प्रोग्राम शुरू करना और सबको साथ लेकर चलने वाली नई शिक्षा नीति राजीव जी की देंन है। वे देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में जवाहर नवोदय स्कूल स्थापित किए। गांव-गांव तक टेलीफोन पहुंचाने के लिए च्छ कार्यक्रम शुरू किया। 21 मई 1991 में एक आत्मघाती बम धमाके में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। आज पूरा देश उनका बलिदान दिवस मना रहा कर ऐसे महान पुरुष को याद कर रहा है। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नीनू सहगल,प्रदेश अध्यक्ष सेवादल हेमा पुरोहित,प्रदेश प्रवक्ता प्रतिमा सिंह, पार्षद महेंद्र रावत,अमित भंडारी, जगदीश धीमन, राजकुमार जैसवाल, मनीष गौनियाल,गोपाल गड़िया,मनीष गर्ग, अंजू भारती, नितिन रावत, मनीष गर्ग, सतेन्द्र पंवार, फैसल, शोभाराम, आदि उपस्थि थे।

मुख्यमंत्री ने पूछा आपका काम हुआ कि नहीं?

❑सीएम हेल्पलाइन की सक्रियता जांचने सीएम ने शिकायतकर्ताओं से की बातचीत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सीएम हेल्पलाइन 1905 पर दर्ज होने वाली शिकायतों के निस्तारण के लिए दिए जाने वाले निर्देशों पर विभाग कितनी तत्परता से काम कर रहे हैं, यह जांचने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कई आवेदकों से बातचीत कर फीडबैक लिया। इस दौरान सभी शिकायतकर्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री के पिछले दिशा-निर्देश के बाद अब उनकी शिकायतों का निस्तारण हो चुका है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गत दिनों सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की थी। इसमें कुछ प्रकरण ऐसे थे, जिनमें मुख्यमंत्री ने विभागों को तय समय सीमा के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए थे। इन्हीं प्रकरणों में विभागों के स्तर से क्या कार्रवाई की गई, यह जानने के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुध वार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चाधि कारियों के साथ बैठक के दौरान कई शिकायतकर्ताओं से बातचीत की। पहले मामले में उत्तरकाशी निवासी लक्ष्मी देवी ने शिक्षा विभाग से पारिवारिक पेंशन नहीं लग पाने की शिकायत की थी। सीएम से बातचीत में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के पिछले दिशा-निर्देश के बाद विभाग ने उनकी पारिवारिक पेंशन स्वीकृत कर दी है। इसी तरह रुद्रप्रयाग निवासी जगदम्बा प्रसाद नौटियाल ने शिक्षा विभाग से मेडिकल बिलों का भुगतान नहीं हो पाने की शिकायत की थी। बुध वार को उन्होंने भी सीएम पुष्कर सिंह ध ामी को बताया कि मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद लंबित बिलों का भुगतान हो गया है। इसी तरह उद्यान विभाग से रिटायर्ड नैनीताल निवासी बहादुर सिंह बिष्ट ने भी सीएम पुष्कर सिंह धामी को बताया कि सीएम के गत दिशा-निर्देशों के क्रम में विभाग ने उनका जीपीएफ का भुगतान कर लिया है। सभी शिकायतकर्ताओं ने इसके लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी न सिर्फ सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज होने वाली शिकायतों की समीक्षा कर रहे हैं, बल्कि वह बैठकों के बाद होने वाली कार्रवाई पर भी संवेदनशीलता के साथ नजर बनाए हुए हैं। इसी क्रम में सीएम अब पुनः शिकायतकर्ताओं से वास्तविक फीडबैक ले रहे हैं। इससे विभागों पर भी शिकायतों के निस्तारण में तत्परता दिखाने का दबाव बन रहा है।

इस अवसर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी.अंशुमन, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

शादी समारोह में हुई हत्या

❑दो घायल, हत्यारों की तलाश शुरू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शादी समारोह में उस समय अफरा तफरी फैल गयी जब दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। इस खूनी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। जबकि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के पठानपुरा मोहल्ले से बीते रोज एक बारात उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर गई थी, जिसमें मोहल्ले के कुछ युवक भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि बारात में मोहल्ले के उन युवकों का दूल्हे के कुछ मेहमान युवकों जो कि हापुड़ से आए हुए बताए जा रहे हैं उनसे विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, बारात भी शाम को वापस लौट आई। बताया जा रहा है कि उसके बाद रात करीब दो बजे दूल्हे के हापुड़ निवासी मेहमान युवकों ने पठानपुरा मोहल्ले के युवकों पर चाकुओं से हमला कर दिया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता मामला बहुत बढ़ चुका था। युवकों के बीच हुई चाकूबाजी में एक युवक समर पुत्र समरदराज की मौत हो गई, जबकि ओवैस पुत्र रशीद, सलमान पुत्र समरदराज घायल हो गए। जिनको प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बहरहाल पुलिस हत्यारों की तलाश में जुट गयी है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चोरी की मोटरसाईकिल के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला बाजार निवासी अमन ने रायवाला थाने में अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक मोटरसाईकिल पर सवार तीन युवकों को रूकने के लिए कहा तो वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गये। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। गाडी के कागजात मांगने पर वह दिखा नहीं सके। जब सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने मोटरसाईकिल चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम देव बेरी पुत्र गौरव बेरी निवासी जगदीश आश्रम खडखडी हरिद्वार, गगन पुत्र सुरेश निवासी इन्द्रा बस्ती खडखडी हरिद्वार व प्रेम विश्वकर्मा पुत्र ठगमान विश्वकर्मा निवासी मौहल्ला रामगढ हिल बाईपास खडखडी हरिद्वार बताये। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हत्यारा भतीजा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जमीनी विवाद के चलते ताई की हत्या व ताऊ को गम्भीर रूप से घायल करने के आरोपी को पुलिस ने मात्र कुछ घंटो में ही गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज अनिल मेहरा द्वारा थाना कोटद्वार पर तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी माता नंदी देवी व पिता कृपाल सिंह मेहरा ग्राम दिलीपपुर, कोटद्वार में अपने पुश्तैनी मकान में निवासरत हैं मेरे पिताजी का अपने भाइयों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है इसी विवाद के कारण 19 मई की रात को मेरे चाचा के लड़के राहुल मेहरा द्वारा मेरे माता-पिता के साथ जान से मारने की नीयत से मारपीट करते हुए हमला कर दिया जिससे मेरी माता की मृत्यु हो गई तथा पिता कृपाल सिंह मेहरा को गंभीर हालत में बेस अस्पताल कोटद्वार से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी राहुल मेहरा की तलाश शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान आरोपों

ताई की हत्या की व ताऊ को किया गम्भीर रूप से घायल

की पुष्टि होने पर आरोपी राहुल मेहरा को बीती रात अम्बेडकर मूर्ति से आगे सिग्गड़ी पुल के पास मंदिर के कोने से गिरफ्तार कर उसकी निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप व खूनआलूदा कपड़ा बरामद कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई एवं आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

घर में घुसकर मारपीट में पांच नामजद

देहरादून (सं)। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदाकिनी विहार निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ब्रहमावाला खाला निवासी सोनू, राकेश, ऋतिक, कार्तिक व विक्की उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने जब शोर सुना तो वह उसको बचाने के लिए आये तो हमलावर उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये।

21 पेटी शराब सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान शराब तस्करी कर रहे तीन लोगों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 21 पेटी शराब व तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वैगनार कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार सवार दो लोग कार से उतर कर भागने लगे। पुलिस ने उन्हे घेर कर रोका कार की तलाशी के दौरान उसमें रखी 19 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम चन्द्र मोहन सिंह, पुत्र उमेद सिंह, निवासी डालसिंगी, थाना अगस्त्यमुनि, जनपद रुद्रप्रयाग तथा पाल सिंह, पुत्र स्वरुप सिंह, निवासी कुरछौला, थाना रुद्रप्रयाग बताया। वहीं दूसरी ओर कोतवाली सोनप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत चौकी गौरीकुण्ड के स्तर से स्थानीय सूचना तन्त्र के आधार पर गौरीकुण्ड मुख्य सड़क से ऊपर घोड़ा खच्चर मार्ग पर पंकज सिंह, पुत्र गजपाल सिंह, निवासी तालाजामन, तहसील, बसुकेदार, थाना अगस्त्यमुनि, जनपद रुद्रप्रयाग को 20 बोतल शराब मैकडॉवल्स के साथ गिरफ्तार किया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।